

शब्दार्थ

अपेक्षा	उम्मीद
स्वार्थी	मतलबी
मूल्यवान	कीमती
द्वेष	घृणा
मनमोहक	मन को मोहनेवाली

निहारना	देखना
अहिम	मिश्र
कमीठी	परखने का मापदंड
चाटुकार	शुद्धी प्रशंसा करने वाला
श्रद्धा	आदर

अभ्यास



मौखिक प्रश्न

उत्तर दीजिए।

- क. अब्राहम लिंकन ने पत्र किसे लिखा? अब्राहम लिंकन ने पत्र अपने पुत्र के शिक्षक को लिखा और वेदों से परामर्श दिया है? ईसा और द्वेष से
- ख. अब्राहम लिंकन ने अपने बेटे को किससे दूर रखने का परामर्श दिया है? ईसा और द्वेष से
- ग. अब्राहम लिंकन के अनुसार मुसीबतों को किस प्रकार टालना सिखाना चाहिए? हँसकर
- घ. अब्राहम लिंकन ने किसकी दुनिया को मनमोहक कहा है? पुस्तकों की



लिखित प्रश्न

1. सही उत्तर पर ✓ लगाइए।

क. अब्राहम लिंकन किसपर पक्का विश्वास रखने के पक्ष में थे?

अपने विचारों पर

अपने भाग्य पर

अपने पुरुषार्थ पर

ख. अब्राहम लिंकन के अनुसार किससे सावधान रहना चाहिए?

शत्रुओं से

आलोचकों से

चाटुकारों से

2. रिक्त स्थानों को भरिए।

क. सभी व्यक्ति न्यायप्रिय नहीं होते।

ख. उसे पुस्तकों की मनमोहक दुनिया में अवश्य ले जाएँ।

ग. नकल करके पास होने से फैल होना बेहतर है।

घ. अच्छे लोगों के साथ अच्छी व्यवहार करे।

ङ. मेरा बेटा एक बहुत प्यारा और अच्छा लड़का है।

1. गद्यशैली को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

उसे यह अवश्य ही सिखाए कि यदि दुनिया में बुरे लोग होते हैं, तो अच्छे इन्सान भी होते हैं। यदि स्वार्थी राजनीतिज्ञ होते हैं, तो जनता के हित में काम करने वाले समर्पित नेता भी होते हैं। उसे यह भी सिखाए कि अगर शत्रु होते हैं, तो मित्र भी होते हैं। मुझे पता है कि इसमें समय लगेगा। परंतु, हो सके मूल्यवान होता है। उसे लगना सिखाए और जीत की खुशियाँ मनाना सिखाए। हो सके, तो उसे ईर्ष्या या द्वेष से दूर रखें और उसे अपनी पुरस्कर्ता को हँसकर टालना सिखाए। उसे जितनी जल्दी हो सके, जानने दें कि दूसरों को आतंकित करने वाला स्वयं कमजोर होता है।

क. क्या दुनिया में सभी व्यक्ति समान होते हैं?

नहीं दुनिया में विभिन्न प्रकार के व्यक्ति होते हैं। कुछ अच्छे तो कुछ बुरे होते हैं।

ख. अब्राहम लिंकन किसे मूल्यवान मानते हैं?

मेहनत से काम करने वाले - जैसे कि अब्राहम लिंकन मूल्यवान मानते थे।

ग. अब्राहम लिंकन के अनुसार ऐसा कौन-सा कार्य है जिसे सीखने में उनके बेटे को समय लगेगा?

अब्राहम लिंकन के अनुसार मेहनत से काम करने का महत्व समझने में उनके बेटे को समय लगेगा।

घ. 'मूल्यवान' शब्द का विलोम रूप लिखिए।

मूल्यहीन

4. उत्तर लिखिए।

क. अब्राहम लिंकन के अनुसार उनका बेटा कभी-न-कभी क्या सीख लेगा?

अब्राहम लिंकन के अनुसार उनका बेटा कभी-न-कभी सीख लेगा कि सभी व्यक्ति न्यायप्रिय नहीं होते और न ही सभी सच बोलते हैं।

ख. भौड़ से अलग दिखने के लिए क्या आवश्यक है?

भौड़ से अलग दिखने के लिए आवश्यक है कि भौड़ से अलग अपना विचार हो, भौड़ के सामने अपनी अंतर्जन्म की आवाज सुन सत्य के लिए खड़े रहने की हिम्मत हो।

ग. अब्राहम लिंकन अपने बेटे के लिए किस प्रकार की शिक्षा की अपेक्षा करते थे?

अब्राहम लिंकन अपने बेटे के लिए ऐसी शिक्षा की अपेक्षा करते थे जिससे वह एक सच्चा इन्सान बन सके।

घ. अब्राहम लिंकन किस प्रकार से धन अर्जित करने के पक्ष में थे?

अब्राहम लिंकन मेहनत से धन अर्जित करने के पक्ष में थे।

5. उत्तर विकल्प में अध्यात्मपुस्तिका से लिखिए।

क. अब्राहम लिंकन अपने पुत्र से किन गुणों का विकास करना चाहते थे?

ख. आशय स्पष्ट कीजिए— 'उमें हास्या मिखाएँ और जीत में खुश होना भी सिखाएँ'।

ग. अब्राहम लिंकन किसानों की मनमोहक दुनिया के साथ प्रकृति की सुंदरता का समन्वय क्यों चाहते थे?

घ. आप कैसे कह सकते हैं कि अब्राहम लिंकन अपने बेटे को आगगास की दुनिया से जोड़ने और उसमें मौलिक विज्ञान का विकास करना चाहते थे?

6. सुनो और लिखो।

न्यायप्रिय राजनीतिज्ञ मधुमन्त्रियों वैशंपुर्विक बलवृते चाटुकार कमीठी प्रकृति

स्रोतों और बताओ

अपने पुत्र के शिक्षक को पत्र लिखने के पीछे अब्राहम लिंकन का क्या उद्देश्य रहा होगा? आपकी दृष्टि में यह पत्र एक सुझाव है, शिकायत है, प्रार्थना है, शिक्षक के लिए एक निर्देश है या अन्य कुछ है। तर्कसहित उत्तर दीजिए।

भासा बोध

1. ध्वन्यात्मक शब्द लिखिए।

क. _____ गुनगुनाती

ख. _____ खिलखिलाते

ग. _____ चह-चाहाती

घ. _____ धिनाभिनाते

ङ. _____ खिलखिलती

च. _____ बुदबुदाते

ध्वनि पर आधारित शब्द ध्वन्यात्मक शब्द कहलाते हैं।

2. विशेषण शब्दों को रेखांकित करके लिखिए।

क. पुस्तकों की मनमोहक दुनिया है।

मनमोहक

ख. अपना नया मार्ग प्रशस्त करें।

नया

ग. वह एक प्यारा लड़का है।

प्यारा

घ. दुनिया में बुरे लोग भी होते हैं।

बुरे

ङ. अच्छे इनसान की पहचान करना सिखाएँ।

अच्छे



1. देखाकित शब्दों के विनोद रूप द्वारा रिक्त स्थानों को भरिए।

क. जीवन में सुख और दुःख भी आते-जाते रहते हैं।

ख. अच्छाई को प्राप्त करें तथा बुराई को त्याग करें।

ग. उसे लाड़-प्यार से बिगाड़े नहीं, उसे प्यार से जुटाईएँ।

घ. हार और जीत एक ही सिक्के के दो पहलु हैं।

ङ. स्वाधी और परोपकारी व्यक्ति सभी देशों में मिलते हैं।

2. प्रश्न बनाकर लिखिए।

क. सभी व्यक्ति न्यायप्रिय नहीं होते।

क्या सभी व्यक्ति न्यायप्रिय होते हैं?

ख. सभी सच नहीं बोलते हैं।

क्या सभी सच बोलते हैं?

ग. दुनिया में अच्छे तथा बुरे लोग होते हैं।

दुनिया में कैसे लोग होते हैं?

घ. उसे दुख में भी हँसने की सीख दें।

उसे दुख में भी कैसे सीख दें?

ङ. वह बदमाशों को आसानी से काबू कर सकता है।

क्या वह बदमाशों को आसानी से काबू नहीं कर सकता है?

च. मेरा बेटा एक बहुत प्यारा और अच्छा लड़का है।

किसका बेटा एक बहुत प्यारा और अच्छा लड़का है?

5. रंगीन सर्वनाम शब्दों के भेदों के नाम लिखिए।

क. मैं अपने बेटे को आपके हाथों में सौंप रहा हूँ।

पुरुषवाचक सर्वनाम (उत्तमपुरु)

ख. मुझे पता है कि इसमें समय लगेगा।

निश्चयवाचक सर्वनाम

ग. अच्छे लोगों के साथ वह अच्छा व्यवहार करेगा।

पुरुषवाचक सर्वनाम (अन्यपुरुष)

घ. पुस्तकों की मनमोहक दुनिया में उसे अवश्य ले जाएँ।

पुरुषवाचक सर्वनाम (अन्यपुरुष)

ङ. आप उसे ऐसी शिक्षा दें कि वह सच्चा इनसान बने।

पुरुषवाचक (मध्यमपुरुष)

6. बहुवचन में लिखिए।

क. शिक्षक

शिक्षकगण

ग. गुरु

गुरुजन, गुरु

ङ. अध्यापक

अध्यापकगण

ख. विद्यार्थी

विद्यार्थीगण

घ. प्रजा

प्रजाजन

च. पक्षी

पक्षीवृन्द



सुनना और बोलना

शिक्षक इन पंक्तियों का कक्षा में वाचन करें। इनपर आधारित प्रश्न बनाएँ और शिक्षार्थियों से प्रश्नों का उत्तर देने को कहें।

एक बार अब्राहम लिंकन अपने घोड़े पर सवार होकर कहीं जा रहे थे। एक स्थान पर उन्होंने देखा कि कुछ मजदूर लकड़ी के भारी लट्ठे को उठाकर गाड़ी में लादने का प्रयास कर रहे थे। गरमी की तपती दोपहरी थी। अधिक परिश्रम के बाद भी वे उसे उठा नहीं पा रहे थे। अधिकारी खड़ा हुआ मजदूरों को बुरा-भला कह रहा था। अब्राहम लिंकन तुरंत घोड़े से उतरे व मजदूरों की सहायता करने लगे। उन्होंने मिलकर उस लट्ठे को गाड़ी में चढ़ा दिया। जब अधिकारी को उनका परिचय पता चला, तब वह बहुत शर्मिदा हुआ। अब्राहम लिंकन ने अधिकारी को समझाया कि कोई काम बड़ा-छोटा नहीं होता।



कल्पना

अपने जीवन के इस काल्पनिक अविस्मरणीय क्षण की अनुभूति को अभ्यासपुस्तिका में लिखकर पूरा कीजिए।



5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर किरदार से लिखें (कि. 10. 16)

(क) अब्राहम लिंकन अपने पुत्र में किन गुणों का विकास करना चाहते थे ?
उत्तर - अब्राहम लिंकन अपने पुत्र में निम्नलिखित गुणों का विकास करना चाहते थे -

1. वे उसे मेहनत से काम करने जैसे कामकाज करना चाहते थे।
 2. वे अपने पुत्र में हार और जीत को समभाव से ग्रहण करने का गुण विकसित चाहते थे।
 3. वे चाहते थे कि पुस्तकों की मनमोहक दुनिया से उसका परिवार हो।
 4. वह उसे भीड़ से अलग अपना रास्ता बनाने को सीख देना चाहते थे।
 5. वे अपने बेटे को मुसीबतों को हँसकर टालने का गुण विकसित करना चाहते थे।
- इसके आतिरेक दूसरों की बातों को धैर्यपूर्वक सुनने, अस्वार्थि को ग्रहण करने जैसे गुणों का विकास करना चाहते थे।

(ख) आशय स्पष्ट कीजिए - 'उसे हारना सिखारें और जीत में खुश होना भी सिखाए'।

उत्तर - पंक्ति का आशय है कि जीत में हार और असफलता हमें बहुत कुछ सीखने का मौका देती है। जब भी हम हारते हैं तब हम धैर्य रखना सीखते हैं। हार के कारणों को ढूँढ उसे सुधारने का प्रयास ही हमें विजेता बनाता है। अतः लिंकन चाहते थे उनका पुत्र केवल जीत के लिए ही प्रयत्नशील न होकर हार को भी स्वीकारना सीखे तथा अपनी जीत में खुश हो ताकि मनोबल ऊँचा रहे।

(ग) अब्राहम लिंकन किताबों की मनमोहक दुनिया के साथ प्रकृति की सुंदरता का समन्वय क्यों चाहते थे ?

उत्तर - अब्राहम लिंकन किताबों की मनमोहक दुनिया के साथ प्रकृति की सुंदरता का समन्वय चाहते थे ताकि उनका पुत्र प्रकृति की सुंदरता को भी जाने/नाले आसमान में उड़ते पक्षियों का चहचहाना, ठरे-ठरे घास, सुंदर फूलों की हँसी को भी अनुभव कर सके।

(घ) आप कैसे कह सकते हैं कि अब्राहम लिंकन अपने बड़े को आसपास की दुनिया से जोड़ने और उसमें मौलिक चिंतन का विकास करना चाहते थे ?

उत्तर अब्राहम लिंकन द्वारा अपने पुत्र के शिक्षक को पत्र लिखने का उद्देश्य ही यही था कि वह अपने आसपास की दुनिया से जुड़े और उसमें मौलिक चिंतन का विकास हो। इसके लिए सबसे अच्छा माध्यम विद्यालय था। जो कि अपने आप में एक छोटा सम्राज्य है और शिक्षक विद्यालय में जाने वाले बच्चों का सर्वांगीण विकास कर समाज को लेखक, कवि, उद्योगपति, चिंतक, राज-मित्र आदि प्रदान करता है।